सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड की मासिक पत्रिका

अंक : 577 वर्ष 43

राँची, फरवरी 2022

अपनी बात

कोयला मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी ने पूरे कोल इंडिया में ईआरपी प्रणाली का किया शुभारंभ

कोल इंडिया की सतत् गतिविधियों पर आधारित पुस्तक "फ्यूलिंग इंडियाज एनर्जी नीड्स" का भी विमोचन

समारोह के दौरान पुस्तक का विमोचन करते माननीय कोयल मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी, माननीय कोयला राज्य मंत्री श्री रावसाहेब पाटिल दानवे, कोयला सचिव डॉ. अनिल कु. जैन एवं कोल इंडिया चेयरमैन श्री प्रमोद अग्रवाल

विगत दिनांक 23.02.2022 को सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड सहित पूरे कोल इण्डिया में ईआरपी प्रणाली को लागू किया गया। माननीय कोयला मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी ने दिल्ली से एक लाइव कार्यक्रम के तहत इसका उद्घाटन किया।

ज्ञात हो कि ईआरपी प्रणाली के लागू हो जाने से तमाम चीजें सेंट्रलाइज रूप से एक सॉफ्टवेयर के माध्यम से प्रबंधित की जाती हैं। कंपनी के विभिन्न विभाग इसके माध्यम से इंटरनल कम्युनिकेशन भी आसानी से कर पाने में सक्षम होंगे और ऐसी स्थिति में ट्रांसपेरेंसी बढ़ जाएगी। निश्चित रूप से कंपनी को इसका बहुत लाभ मिलेगा।

सीसीएल मुख्यालय में वेबकास्ट के माध्यम से इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। जिसमें निदेशक (वित्त) श्री के. आर. वासुदेवन, निदेशक (कार्मिक) श्री पीवीकेआर मल्लिकार्जुन राव के साथ–साथ महाप्रबंधकगण एवं विभिन्न विभाग के विभागाध्यक्ष उपस्थित थे। इसके साथ ही अनुषंगी कंपनियों एवं इकाइयों सहित पूरे कोल इंडिया में ईआरपी ने कार्य करना शुरू कर दिया है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में श्री जोशी ने "फ्यूलिंग इंडियाज एनर्जी नीड्स" नामक पुस्तक का विमोचन भी किया। यह पुस्तक कोल इंडिया द्वारा सतत् विकास के लिए किए जा रहे कार्यों का संकलन है। कार्यक्रम में कोयला, खान एवं रेल राज्य मंत्री श्री रावसाहेब पाटिल दानवे, कोयला सचिव डॉ. अनिल कुमार जैन एवं कोल इंडिया के अध्यक्ष श्री प्रमोद अग्रवाल सहित कोयला मंत्रालय एवं कोल इंडिया के आला अधिकारी उपस्थित थे।

ईआरपी, विभिन्न सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मॉड्यूल के जरिये संस्थान के कार्यों को पूरा करने का एक प्रभावशाली माध्यम (टूल) है। ईआरपी के इस्तेमाल से कोल इंडिया में डेटा इंटेग्रिटी को बढ़ावा मिलेगा, कंपनी के खर्चों में कमी होगी, जिससे कंपनी के बिजनेस परफॉर्मेंस एवं विकास को नई ऊंचाई मिलेगी और कंपनी को माइनिंग सेक्टर की एक ग्लोबल कंपनी के रूप में मजूबती से स्थापित होने में मदद मिलेगी।

कोल इंडिया ने अपने कार्यों को सुचारू रूप से संपन्न करने के लिए ह्यूमन कैपिटल मैनेजमेंट (एचसीएम), सेल्स एवं डिस्ट्रिब्यूशन (एसडी), प्रोडक्शन एंड प्लानिंग (पीपी), प्लांट मेंटेनेंस (पीएम), प्रोजेक्ट सिस्टम (पीएस), मटीरियल मैनेजमेंट (एमएम) एवं फाइनेंस एंड कंट्रोल (एफआईसीओ) नामक ईआरपी के 07 मॉड्यूल लागू किए हैं।

ईआरपी लागू किए जाने जाने पहले कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनियों एवं इकाइयों ने अपने कार्यों को पूरा करने के लिए स्थानीय स्तर पर अपनी कार्य प्रणाली लागू की थी, जिनमें एकरूपता नहीं थी। अब पूरे कोल इंडिया के लिए एक ईआरपी लागू होने से समय पर सटीक एवं रीयल टाइम डेटा उपलब्ध होगा, जिससे कामकाज में तेजी आएगी और प्रक्रियाएँ ज्यादा पारदर्शी होंगी।

गौरतलब है कि कोल इंडिया में ईआरपी दो चरणों में लागू हुआ है। पहले चरण में इसे कोल इंडिया मुख्यालय एवं दो अनुषंगी कंपनियों डब्ल्यूसीएल एवं एमसीएल में लागू किया गया था। अब दूसरे चरण में इसे बाकी अनुषंगी कंपनियों एसईसीएल, एनसीएल, सीसीएल, ईसीएल, बीसीसीएल एवं सीएमपीडीआई में लागू किया गया है।

सीआईएल/सीसीएल का गैर–विद्युत क्षेत्र को आपूर्ति बढ़ाने पर जोर

कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) वर्तमान में गैर–विद्युत क्षेत्र (एनपीएस) को प्रति दिन लगभग 3.4 लाख टन कोयले की औसत आपूर्ति कर रहा है, साथ ही सीसीएल प्रति दिन 34,000 टन कोयला आपूर्ति कर रहा है। 37 मिलियन टन (एमटी) से अधिक कोयले के भण्डार के साथ सीआईएल इस क्षेत्र में आपूर्ति को और बढ़ाने पर जोर देगी है। झारखंड स्थित सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड सहित सीआईएल की सहायक कंपनियां भी एनपीएस को कोयले की आपूर्ति कर रही हैं।

वित्तीय वर्ष 22 में अप्रैल–जनवरी के दौरान इस सेक्टर को सीआईएल द्वारा 101.7 मिलियन टन (एमटी) कोयले का प्रेषण किया गया जो वित्तीय वर्ष 20 (जिसे महामारी मुक्त मानक समय अवधि माना जा सकता) में प्रेषित किए गए 94 एमटी की तुलना में 8.2 प्रतिशत अधिक है। साथ ही वित्तीय वर्ष 19 की तुलना में 11 प्रतिशत अधिक है, जब उस वर्ष इसी अवधि में 91.5 एमटी कोयले को आपूर्ति की गई थी, जो उस वर्ष कोल इंडिया द्वारा तब तक का सबसे अधिक कुल कोयला प्रेषण दर्ज किया गया था ।

अप्रैल' 20–जनवरी 21 में गैर ऊर्जा सेक्टर में 105 एमटी का प्रेषण वित्त वर्ष 22 की समान अवधि की तुलना में 3 एमटी से अधिक था।

कोविड महामारी से प्रभावित वर्ष के दौरान प्रेषण में वृद्धि के कई कारण थे।

चूंकि बिजली क्षेत्र ने वित्त वर्ष 21 के प्रमुख अवधि में कोविड महामारी के कारण कोयले की मांग को नियंत्रित रखा, जिसके चलते सीआईएल ने नान पावर सेक्टर (एनपीएस) को आपूर्ति बढ़ा दी। इसके अलावा, एनपीएस ग्राहकों ने भी कोयले की अधिक मात्रा को उठाने का विकल्प चुना क्योंकि सीआईएल की ई–नीलामी में वित्तीय वर्ष 21की पहली छमाही के लिए कोयले के दाम को अधिसूचित मूल्य पर सीमित कर रखा था।

गैर ऊर्जा क्षेत्र द्वारा किसी भी वित्तीय वर्ष में लगभग 170 एमटी कोयले का आयात किया जाता है जिसे घरेलू कोयले के साथ सम्मिश्रण कर उसका इस्तेमाल किया जाता है, परंतु वित्तीय वर्ष 22 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोयले की बढ़ती कीमतों के चलते आवश्यक मात्रा में कोयला आयात नही हो सका।

"सीआईएल के पास गैर–विद्युत क्षेत्र को आपूर्ति बढ़ाने के लिए पर्याप्त बफर स्टॉक है। कोयले की उपलब्धता कोई समस्या नहीं है।" कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा।

वित्तीय वर्ष 22 में बिजली उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई है, जो पिछले एक दशक में सबसे अधिक है, जिसके कारण राष्ट्रीय प्राथमिकता को आगे रखते हुए बिजली क्षेत्र की कोयले की मांग को पूरा करने की आवश्यकता है। मजबूत आर्थिक विकास के चलते चालू वित्त वर्ष के जनवरी '22 तक कुल कोयला आधारित बिजली उत्पादन में साल–दर–साल की तुलना में 11.2% की वृद्धि हुई। जबकि इस अवधि के दौरान घरेलू कोयला आधारित उत्पादन 17% बढ़ा था। बिजली क्षेत्र को कोयले की आपूर्ति का बड़ा हिस्सा सीआईएल द्वारा प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया गया।

अप्रैल, 2021 से जनवरी 2021–22 के दौरान 14 आयातित कोयला आधारित बिजली संयंत्रों से बिजली उत्पादन में 48 प्रतिशत की कमी आई। जिसके फलस्वरूप इस उत्पादन के अंतर को पूरा करने के लिए घरेलू कोयला आधारित संयंत्रों को स्वदेशी कोयले की आपूर्ति में वृद्धि की आवश्यकता पड़ गई। सीआईएल ने इस अतिरिक्त मांग के पूरा करने के लिए लगभग 20 एमटी कोयले की आपूर्ति की। दूसरे शब्दों में, आयात को उस सीमा तक कम कर दिया गया था।

बिजली क्षेत्र को कोयले को प्राथमिकता देने और अन्य चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, सीआईएल ने जनवरी तक इस वित्त वर्ष 22 तक 101.7 एमटी आपूर्ति कर एनपीएस ग्राहकों को पिछले वर्ष की समान अवधि का 97% आपूर्ति कर चुकी है।

सीसीएल में सीएमपीएफ से संबंधित बैठक का आयोजन

दिनांक 24 फरवरी को सीसीएल मुख्यालय में सीएमपीएफ से संबंधित बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता सीसीएल के निदेशक (कार्मिक) श्री पीवीकेआर मल्लिकार्जुन राव ने की। बैठक में सीएमपीएफ के सीवीओ श्री कुमार अनिमेष, सहायक आयुक्त, सीएमपीएफ श्री विजय प्रसाद, महाप्रबंधक, सीएमपीडीआईएल श्रीमती सुनिता मेहता सहित सीसीएल के महाप्रबंधक (सोशल सिक्युरिटी) श्री यू पी नारायण, महाप्रबंधक (कार्मिक एवं औ.सं.) श्री उमेश सिंह, महाप्रबंधक (विधि) श्री पार्थो भट्टाचार्जी, विभागाध्यक्ष (अधिकारी स्थापना) श्री मनीष कुमार, सीसीएल कमांड क्षेत्रों के अमला अधिकारी एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे। बैठक में पेंशन भुगतान प्रक्रिया को सरल एवं पारदर्शी बनाने पर बल दिया गया।

कोल इंडिया को मिला 'भारत की सबसे भरोसेमंद पब्लिक सेक्टर कंपनी' का अवॉर्ड

अवार्ड प्राप्त करते चेयरमैन, कोल इंडिया श्री प्रमोद अग्रवाल

कोल इंडिया लिमिटेड को 'भारत की सबसे भरोसेमंद पब्लिक सेक्टर कंपनी' के अवॉर्ड से नवाजा गया है। इंडस्ट्री चेंबर "एसोचैम" द्वारा कोलकाता में आयोजित "एनर्जी मीट एवं एक्सिलेंस अवॉर्ड" समारोह में कोल इंडिया को यह सम्मान हासिल हुआ। कंपनी को यह सम्मान ऐसे वक्त में मिला है जब पिछले कुछ महीनों में कोल इंडिया ने बिजली क्षेत्र के लिए कोयले की बढ़ी मांग को पूरा करने के लिए कोयला उत्पादन एवं सप्लाई में काफी बढ़ोतरी कर देश में बिजली संकट की स्थिति उत्पन्न नहीं होने दी है।

गौरतलब है कि जानीमानी संस्था स्टार्ट–अप लेंस ने जनवरी, 2022 में जारी "भारत के टॉप 40 सीईओ" की लिस्ट में कोल इंडिया चेयरमैन श्री प्रमोद अग्रवाल का नाम शामिल किया था। पिछले ही महीने, कोल इंडिया के निदेशक (कार्मिक एवं औद्योगिक संबंध) श्री विनय रंजन का नाम फोर्ब्स इंडिया की "इंडियाज 100 ग्रेट पीपल मैनेजर्स, 2021' की लिस्ट में शामिल किया गया था।

संयुक्त सलाहकार संचालन समिति की बैठक सम्पन्न

संयुक्त सलाहकार संचालन समिति की बैठक का एक दृश्य

विगत दिनांक 19.02.2022 को सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक श्री पी. एम. प्रसाद की अध्यक्षता में सीसीएल मुख्यालय में संयुक्त सलाहकार संचालन समिति (जेसीएससी) की बैठक संपन्न हुई।

बैठक में अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक सहित निदेशक (तकनीकी) (परियोजना/योजना) श्री एस. के. गोमस्ता, ओएसडी/महाप्रबंधक (खनन) श्री आर. बी. प्रसाद, महाप्रबंधक (आईआर) श्री उमेश सिंह, सीएमडी के तकनीकि सचिव श्री आलोक कुमार सिंह, निदेशक (कार्मिक) के तकनीकि सचिवह महाप्रबंधक (लिगल) श्री पी. भट्टाचार्जी, महाप्रबंधक (प्रशासन एवं सामाजिक सुरक्षा) श्री यू.पी. नारायण, महाप्रबंधक (सीविल) श्री ए. सी. मोहराना, महाप्रबंधक (कर्म. स्था.) श्री मनोरंजन बिरूआ, सीएमएस, सीसीएल डॉ. डी. के. एल. चौहान के साथ–साथ श्रमिक संघों के प्रतिनिधिगण एवं मुख्यालय के महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष उपस्थित थे। सीसीएल के निदेशक (कार्मिक) श्री पीवीकेआर मल्लिकार्जुन राव भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में उपस्थित रहे।

उपरोक्त बैठक में कर्मियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, कल्याण, प्रशिक्षण एवं स्वच्छता पर आधारित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। श्रमिक प्रतिनिधियों द्वारा इन विषयों से संबंधित कई महत्वपूर्ण सुझाव प्रबंधन को दिए गए जिस पर प्रबंधन ने आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

कोल इंडिया की महत्वाकांक्षी योजना सीपीआरएमएस–एनई की बैठक संपन्न

विगत 24 फरवरी को सीसीएल मुख्यालय, रांची स्थित 'कन्वेंशन सेंटर' में कोल इंडिया की महत्वाकांक्षी योजना 'सेवानिवृत्ति उपरांत अंशदायी चिकित्सा सेवा योजना (संशोधित)(सीपीआरएमएस–एनई)' की बैठक कोल इंडिया के निदेशक (कार्मिक एवं औद्योगिक संबंध) श्री विनय रंजन की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर निदेशक (कार्मिक), सीसीएल श्री पी.वी.के.आर. मल्लिकार्जुन राव, मुख्य वित्त अधिकारी, कोल इंडिया श्री सुनिल कुमार मेहता, महाप्रबंधक (एमपी एंड आईआर), कोल इंडिया, श्री अजय कुमार चौधरी सहित श्रमिक संघ के प्रतिनिधिगण श्री राजीव रंजन सिंह, श्री शंकर प्रसाद बेहरा, श्री अशोक चन्द्र यादव, श्री वी. एम. मनोहर एवं अन्य उपस्थित थे।

बैठक की अध्यक्षता करते निदेशक (कार्मिक), कोल इंडिया श्री विनय रंजन

बैठक में श्री विनय रंजन ने कहा कि सीपीआरएमएस–एनई योजना कोल इण्डिया और इसके सभी अनुषंगी कम्पनियों से सेवानिवृत कर्मचारियों के स्वास्थ्य चिकित्सा हेतु एक महत्वपूर्ण योजना है और इसके सकारात्मक क्रियान्वयन हमारी प्राथमिकता है।

बैठक में सीपीआरएमएस–एनई के फंड का निवेश, मेडकल बिल का ससमय भुगतान के साथ–साथ योजना को पारदर्शिता बनाने पर जोर दिया गया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक सम्पन्न

बैठक की अध्यक्षता करते सीएमडी, सीसीएल श्री पी. एम. प्रसाद

दिनांक 25 फरवरी को सीसीएल मुख्यालय, दरभंगा हाउस रांची में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता सीएमडी, सीसीएल श्री पी.एम. प्रसाद ने की। इस अवसर पर महाप्रबंधक (समाधान) सुश्री रश्मि दयाल, महाप्रबंधक (कर्मचारी स्थापना) श्री मनोरंजन बिरूआ सहित मुख्यालय के विभिन्न विभागों सहित क्षेत्रों के महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष सहित राजभाषा के नोडल अधिकारी सोशल डिस्टेन्सिंग का पालन करते हुये उपस्थित रहे।

सीएमडी श्री पी.एम. प्रसाद ने उपस्थित सभी को प्रेरित करते हुये कहा कि हिन्दी पूरे भारत को एक सूत्र में पिरोने वाली भाषा है। हमें कंपनी में राजभाषा हिन्दी का प्रयोग अधिक से अधिक करना है।

इस अवसर पर कार्यालयीन कार्य में हिन्दी में उत्कृष्ट कार्य करने वाले मुख्यालय एवं क्षेत्रों को सम्मानित किया गया।

सीसीएल मुख्यालय तथा क्षेत्रों द्वारा प्राप्त तिमाही रिपोर्ट का विस्तार से पावर प्वाइंट के माध्यम से राजभाषा विभाग के सहायक प्रबंधक, श्री दिविक दिवेश द्वारा प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में महाप्रबंधक (राजभाषा) डॉ. ए.के. सिंह, उप–प्रबंधक (राजभाषा/सचि.) श्री बलिराम सिंह एवं अन्य सराहनीय योगदान रहा।

140 युवाओं को भारी मोटर वाहन (एचएमवी) प्रशिक्षण

ड्राईविंग ट्रेनिंग के लिए सीसीएल ने किया समझौता ज्ञापन

समझौता ज्ञापन का एक दृश्य

विगत दिनांक 08 फरवरी 2022 को सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) ने अपने सीएसआर पहल के अंतर्गत लातेहार मोटर ड्राइविंग सेंटर (एलएमडीसी) के साथ 38,50,000 रुपये का समझौ. ता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। सीसीएल की ओर से महाप्रबंधक (सीएसआर) श्री एल. बालकृष्णा ने हस्ताक्षर किए।

समझौता ज्ञापन के तहत कंपनी कमांड एरिया के परियोजना प्रभावित परिवारों के 140 युवाओं को भारी मोटर वाहन प्रशिक्षण (एचएमवी) को प्रायोजित करेगी। प्रशिक्षुओं के खाने, रहने और प्रशिक्षण का पूरा खर्च सीसीएल वहन करेगा। प्रशिक्षण के सफल समापन के बाद उम्मीदवारों के लिए ड्राइविंग लाइसेंस उपलब्ध कराने की भी व्यवस्था की जाएगी।

सीएमडी सीसीएल श्री पी.एम. प्रसाद ने कहा कि सीसीएल कोयला उत्पादन के साथ.साथ समाज के सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास हेतु प्रतिबद्ध है। कंपनी द्वारा अपने सीएसआर योजनाओं के अंतर्गत कमांड क्षेत्रों के गरीब और जरूरतमंद परिवारों के समावेशी विकास के लिए सतत कार्य किया जा रहा है। यह समझौता ज्ञापन उसी का प्रमाण हैं। इस प्रशिक्षण से क्षेत्र के युवाओं के लिए रोजगार के नये आयाम खुलेंगे।

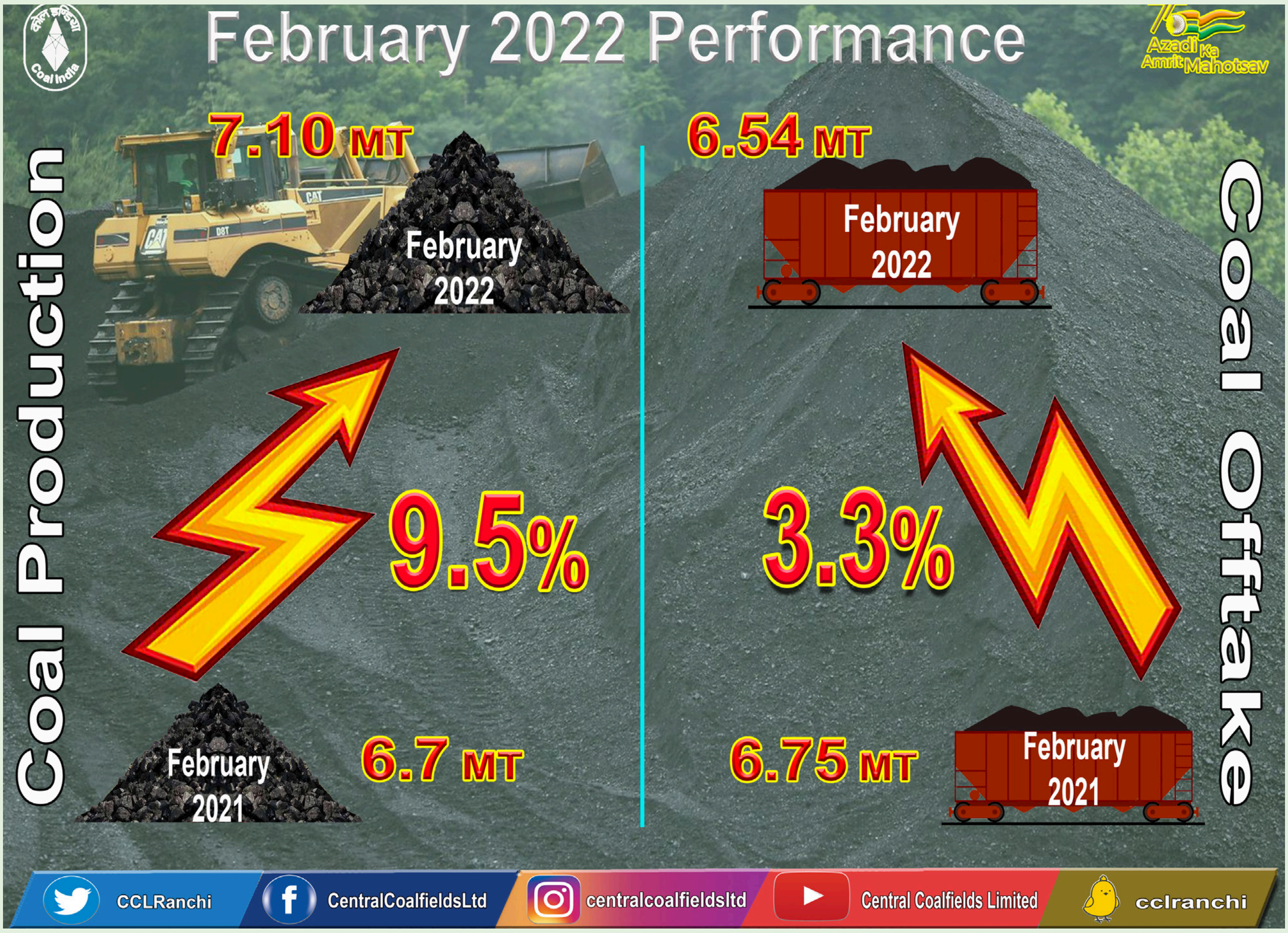

सेवानिवृत्त कर्मियों को भावभीनी विदाई

सम्मान समारोह के दौरान सेवानिवृत्त कर्मचारियों/अधिकारियों के साथ उपस्थित सीएमडी श्री पी. एम. प्रसाद, निदे. (वित्त) श्री के. आर. वासुदेवन तथा निदे. (तक.)(यो./परि.) श्री एस. के. गोमस्ता

सीसीएल मुख्यालय के विभिन्न विभागों में कार्यरत कर्मियों सर्वश्री उमेश कुमार विद्यार्थी, महाप्रबंधक (खनन), एनआईएमसी विभाग, सुरेश चन्द्र प्रसाद, महाप्रबंधक (एमएम), एमएम विभाग, श्याम प्रसाद धुआ, मुख्य प्रबंधक (उत्खनन), योजना–परियोजना विभाग, मंजूला मिंज, वरीय निजी सहायक 'ए–1', आईओएमएस विभाग, त्रिभुवन राम, कार्यालय अधीक्षक 'ए', विक्रय एवं विपणन विभाग, भागीरथी ताँती, डुप्लीकेटर ऑपरेटर/दफ्तरी, साख्यकी विभाग तथा केन्द्रीय अस्पताल, गांधीनगर से पुष्पा लकड़ा, मेट्रोन 'ए–1', निर्मला आइंद, मेट्रोन 'ए–1' को आज सीसीएल परिवार की ओर से सीसीएल मुख्यालय में "सम्मान समारोह" का आयोजन कर भावभीनी विदाई दी गई। पूरे सीसीएल से फरवरी माह में 116 कर्मी सेवानिवृत्त हुये जिन्हें कोविड–19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुये सम्मान समारोह का आयोजन कर भावभीनी विदाई दी गयी।

मुख्यालय राँची में आयोजित सम्मान समारोह में सीएमडी श्री पी.एम. प्रसाद ने अपने संबोधन में सीसीएल परिवार की ओर से उपस्थित वरिष्ठतम सेवानिवृत कर्मियों का अभिनंदन एवं स्वागत करते हुये कहा कि आपके अनुभव एवं आपके द्वारा कार्यक्षेत्र में किये गये योगदान को हम सभी के लिए अनुकरणीय है। उन्होंन सेवानिवृत कर्मियों के सपरिवार सुखी, स्वस्थ्य जीवन की कामना की।

निदेशक (वित्त) श्री के. आर. वासुदेवन ने कहा कि आज आप अपने लंबे अनुभवों के साथ आज सेवानिवृत हो रहे हैं। आप जिस सीसीएल परिवार को आपने अपनी मेहनत और लगन से सींचा है हम उसे और बेहतर ढंग से आगे बढ़ायेंगे और कंपनी को नये आयाम एवं उंचाईयों तक पहुंचायेंगे।

निदेशक तकनीकी (योजना/परियोजना) श्री एस.के. गोमस्ता ने सेवानिवृत हो रहे कर्मियों को शुभकामनाएँ देते हुये कहा कि आप जहाँ भी रहे स्वस्थ्य रहे और अपने परिवार एवं समाजिक कार्यो में अधिक से अधिक समय व्यतित करें। सीसीएल परिवार आप के साथ सदैव है।

अवसर विशेष पर सेवानिवृत्त कर्मियों ने अपने कार्यकाल के अनुभवों को सभी के साथ साझा किया। उन्होंने अपने विचार रखे, साथ ही कंपनी के उत्तरोत्तर विकास की कामना की तथा कंपनी के प्रति आभार व्यक्त किया। अवसर विशेष पर सोशल डिस्टेंशिंग का पालन करते हुये सेवानिवृत्त कर्मियों को रिटायरमेंट बेनिफिट भी प्रदान किया गया।

इस अवसर पर सीसीएल मुख्यालय के विभिन्न विभागों के महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त कर्मियों के परिवारजन सोशल डिस्टेशिंग का पालन करते हुये उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन महाप्रबंधक (कल्याण) डॉ. ए.के. सिंह ने किया। सम्मान समारोह को सफल बनाने में कल्याण विभाग के कर्मियों का विशेष योगदान रहा।

"जीवन एक अवसर है
श्रेष्ठ बनने का, श्रेष्ठ करने का और
श्रेष्ठ पाने का"

सोशल मीडिया में सीसीएल

Central Coalfields Limited @CCLRanchi

#TeamCCL signed #MOU worth ₹ 39 lakhs for Heavy Motor Vehicle (HMV) training of 140 Project Affected People's (PAPs) from command areas.

Under the #CclCsrInitiative, CCL will bear the cost of fooding, lodging and boarding apart from training and support in obtaining license.

Central Coalfields Limited @CCLRanchi

#TeamCCL scales new height with over 03 lakh tonnes coal production in a day on 21st February, 2022.

We are committed to create a #atmanirbharbharat while fulfilling the energy demand of the resurgent #India.

8:12 PM · 22/02/22 · Twitter for Android

Central Coalfields Limited @CCLRanchi

#TeamCCL congratulates Dhori Area on achieving its coal production, OB removal and offtake targets for the #FY22 with 46 days to go.

ढोरी क्षेत्र को वित्त वर्ष-22 के कोयला उत्पादन, ओबी रिमूवल और प्रेषण के लक्ष्य को 46 दिन पूर्व प्राप्त करने पर हार्दिक बधाई ।

7:47 PM · 14/02/22 · Twitter for Android

Central Coalfields Limited @CCLRanchi

Congratulations #TeamCCL on acheiving milestone of 50 million tonnes of coal production this financial year as on February 1st, 2022.

1 फरवरी, 2022 तक इस वित्तीय वर्ष में 50 मिलियन टन कोयला उत्पादन हेतु #TeamCCL को हार्दिक बधाई।

सम्पादक : अनुपम कुमार राणा, विभागाध्यक्ष (जनसम्पर्क), जनसम्पर्क विभाग ● सहायक सम्पादक : मयंक कश्यप, उप प्रबंधक (सीडी), अंकुर गौतम, सहायक प्रबंधक (कार्मिक)
सीसीएल, दरभंगा हाउस, राँची द्वारा प्रकाशित। (आंतरिक वितरण हेतु)